

**हचका** पुं. (देश.) धीरे से लगने वाला धक्का, धचका।

**हचकाना** पुं. (देश.) झोंका देकर हिलाना।

**हचकोला** पुं. (देश.) 1. किसी गाड़ी के हिलने या हिलाए जाने पर लगने वाला झटका, धक्का, चारपाई आदि को हिलाने पर लगने वाला धक्का 2. रेलगाड़ी या किसी अन्य वाहन पर रह-रहकर लगने वाले धचके।

**हचमचाना** अ.क्रि. (अनु.) चरमराना, चारपाई आदि का चरमरा उठना, झकझोरा जाना।

**हचर-मचर** स्त्री. (देश.) 1. टालमटोल, बहाने बाजी 2. देर लगाना 3. शिथिलता पूर्वक या धीरे-धीरे काम करना, सौंपे गए काम में अरुचि या शिथिलता दिखाना।

**हज** पुं. (अर.) 1. किसी कार्य को संपन्न करने के लिए मन में लिया गया संकल्प 2. मुसलमानों द्वारा मक्के या मदीने की तीर्थ यात्रा।

**हजम** वि. (अर.) 1. किसी पदार्थ को खा लेने के बाद पच जाने की स्थिति, अमाशय द्वारा खाद्य पदार्थ को पचा देने की स्थिति 2. किसी दूसरे के माल, संपत्ति या वस्तु को अनुचित तरीके से दबाकर, हड़प कर बैठ जाना जैसे- रमेश ससुराल की सारी संपत्ति हजम कर गया।

**हजर** पुं. (अर.) पत्थर।

**हजरत** पुं. (अर.) 1. महात्मा, महान पुरुष जैसे- हजरत मुहम्मद साहब, हजरत निजामुद्दीन 2. सम्मान या आदर सूचक शब्द, संबोधन 3. उपहास या व्यंग्य में प्रयुक्त होने पर दुष्ट, धूर्त या प्रवंचक व्यक्ति।

**हजरत-सलामत** पुं. (अर.) 1. बादशाहों या नवाबों के लिए परम आदर-सूचक संबोधन 2. बादशाहों का वाचक शब्द, पद।

**हजल** पुं. (अर.) फूहड़ या भद्दा मजाक, परिहास।

**हजाज** पुं. (अर.) 1. पश्चिमी अरब का मक्का-मदीना वाला क्षेत्र या प्रदेश, जो अब सऊदी-अरब में है 2. फारसी संगीत का एक प्रकार का

मुकाम या राग 3. उर्दू-फारसी का एक छंद, जिसमें रुबाइयाँ लिखी जाती हैं।

**हजार** वि. (फा.) 1. गणना या गिनती में जो दस सौ के बराबर हो 2. अत्यधिक के अर्थ में भी प्रयुक्त होता है जैसे- हजार वार समझाया, पर तुम मानते ही नहीं।

**हजार-दास्ताँ** स्त्री. (फा.) 1. मीठा बोलने वाली वि. 1. बहुत मीठा, मोहक और प्रभावी शब्द बोलने वाला।

**हज़ारहा** वि. (फा.) 1. हजारों, सहस्रों 2. अत्यधिक, बहुत ज्यादा।

**हज़ारा** वि. (फा.) 1. ऐसा पुष्प जिसमें अत्यधिक या हजार पंखुड़ियाँ हों, सहस्रदल जैसे- हजारा गेंदा 2. गणना में एक हजार, हजार कवियों का, हजार छंदों का संग्रह जैसे- कालिदास हजारा, रीतिकाल के कवि कालिदास ने यह संग्रह तैयार किया था पुं. 3. एक प्रकार का बड़ा बरतन जिसके मुख पर अनेक छेदों वाला ढक्कन होता है, इसमें पानी भरकर गमलों, पौधों में पानी डाला जाता है 4. फुहारा 5. एक विशेष प्रकार की आतिशबाजी जिसमें से आसमान में जाकर हजारों स्फुल्लिंग निकलते हैं।

**हजारी** पुं. (फा.) 1. एक हजार सिपाहियों का सरदार; ऐसा सेनापति जिसके अधीन एक हजार संख्या वाली या अधिक फौज हो 2. मुगल शासन में सरदारों को दिया जाने वाला एक पद, ओहदा वि. 1. हजार विषयक या संबंधी जैसे- तीस हजारी, चार या पाँच हजारी 2. दोगला, अनेक पुरुषों से संबंध रखने वाली स्त्री की संतान जिसे वर्ण-संकर भी कहा जाता है।

**हजारी-बाजारी** पुं. (फा.+हि.) सेनानायक बड़े-बड़े सरदारों से लेकर सर्वसाधारण या सामान्य नागरिक तक सभी लोग, सब अमीर-गरीब।

**हजारों** वि. (फा.) 1. कई हजार, सहस्रों 2. अत्यधिक, बहुत ज्यादा।

**हजूम** पुं. (अर.) किसी स्थल पर एकत्रित ढेरों लोग, लोगों की भीड़।